THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERNANDES):
(a) to (e) No, Sir. The policy of the Government is not to raise any new regiment on the basis of caste, creed, religion or region.

भारत का परमाणु विस्फोट

1897. **श्री जनेश्वर मिश्र :** क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि अमरीकी विदेश मंत्री ने इस आशय का एक वक्तव्य दिया है कि परमाणु विस्फोटों के परिणामस्वरूप न तो भारत की सुरक्षा स्थिति में कोई बदलाव आया है, न ही भारत ने न्यूक्लियर क्लब का एक सदस्य बनने की योग्यता हासिल की है।

(ख) क्या यह भी सच है कि भारत के परमाणु विस्फोटों की मान्यता के सबंधं में वैज्ञानिकों के मन में अभी भी आशंकाएं है, और

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार इस संबंध में आशंकाओं को दूर करने के लिये एक श्वेत-पत्र जारी करेगी?

रक्षा मंत्री (श्री जार्ज फनाडीज) : (क) सरकार ने इस संबंध में अमेरिका के सेकेटरी आफ स्टेट सहित वहां के प्रशासनिक पदाधिकारियों के वक्तव्यों पर समाचार पत्रों से छपी खबरें देखी हैं।
(ख) जी, नहीं। भारत द्वारा 11 मई, 1998 को परीक्षित प्रणलियों (डिवाइ-सिस) की कुल क्षमता को कम करके आंकने तथा उसके परिणामस्वरूप भारत द्वारा हाइड्रोजन बम का सफलतापूर्वक परीक्षण किये जाने के संबंध में सदेह व्यक्त करने की खबरें विदेशी समाचार पत्रों कभी-कभार छपती रही हैं। परमाणु ऊर्जा विभाग के कुछ विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा पर्याप्त वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाये हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अन्य विदेशी वैज्ञानिकों के अन्य वैज्ञानिक प्रकाशनों में 11 मई के परीक्षणें के बारे में हमारे द्वारा बताई गई कुल क्षमता की पुष्टि की गई है। हाल ही के वैज्ञानिक अनुसंधान पेपरों में भाभा परमाणु अनुसधांन केन्द्र के वैज्ञानिकों ने कई अलग –अलग तरीकों का इस्तेमाल करके विस्तत विश्लेषण किये है जो निर्णायक रूप से यह दर्शाते हैं कि 11 मई को पोखरण में किये गये विस्फोट से उत्पन्न कुल क्षमता लगभग 60 किलोटन है, जो परीक्षणों के तत्काल बाद विभिन्न प्रणालियों की कुल क्षमता संबंधी हमारी घोषणा के अनुरूप है। 11 मई को किये गये परीक्षणों में 15 किलोटन का एक फिशन डिवाइस (हाइड्रोजन बम) तथा एक सब-कलोट डिलवाइस (एक किलोटन से कम) शामिल हैं 13 मई को दो और सब-किलोटन प्रणलियों का परीक्षण किया गया था। 11 तथा 13 मई को परीक्षित सभी पांचों प्रणालियों भौतिकी, सामग्री विज्ञान : इंजीनियरी तथा इलैक्ट्रानिकी से संबंधित आज की जानकारी पर आधारित थी।

(ख) सरकार का मानना है कि इस संबंध में श्वेत पत्र की आवश्यकता नहीं है।

Firing by pak troops during Defence Minister's visit

1898. SHRI BRAHMAKUMAR BHATT: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that during his visit to Siachen Glacier on 30th April, 1998 the Pakistani troops indiscriminately opened fire on Indian post without any provocation during the inspection;

(b) the number of casualties Indian army suffered therein; and

(c) the efforts made to ensure that our troops posted there, are well equipped to retaliate the indiscriminate firing often taking place from across the Pak border?